Part – 1

प्रश्न (8) परिणीता कथा संग्रहमे संकलित कथा 'परिणीता' कैँ सांराश लिखू।

उतर – साहित्य आ समाज संग-संग चलैत अछि । साहित्य स्माजक दर्पण ठीक त समाज सेहो साहित्य्क दर्पण थिक । तैँ कथाकार समाज मे घटित नीक बजायकैँ अपन कथ्य बनबैत छथि । सम्पूर्ण भरतीय समाज मे तीन वर्ग अछि ।

(1) उच्च आय वर्ग

(2) मध्यम आय वर्ग

(3) निम्न आय वर्ग

वर्तमान पूँजीवादी व्यवस्थामे मध्यम वर्गक स्थिति विषम भ’ गेल अछि ।परिणीता मध्य आय वर्गक कथा थिक । एहि कथाक प्रमुख पात्र थिकीह सुश्री श्याम ।

श्याम परिणीता नहि भ सकली । हिनक पिता श्री दिवाकर झा उच्च विध्यालक शिक्षक छलथिन्ह । श्याम पिताक पहलि संतान छ्थि दोसर वहिन श्वेता आ भाइ विकास । तीनू भाइ बहन मे श्यामक रंग किछू दब छलन्हि तेँ पिता आवेशसँ श्याम नाम रखने छलन्हि । मास्टर साहाब हरदम कहैत छलथिन्ह

“ ई हमर बेटि नहि बेटा छथि । श्याम पढाई मे मेधावि अछि । मैट्रिक फर्स्ट डिवीजन सम पास कैलनि त बाबूजी सौसे महल्लामे लड्डू बटने छ्लथिन्ह श्याम जिध्सँ कॉलेजमे नाम लिखौलनि । बी0 ए0 पास केला बाद पिताकेक बेटीक वियाहक चिंता होमय लगलन्हि ।